प्रकाशन तिथि : 01 अक्टूबर, 2024
प्रेषण तिथि : 04 अक्टूबर, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 14 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

भवानी निकेतन परिसर (जयपुर) में सैनिक विद्यालय का उद्घाटन

जयपुर में सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन शिक्षण संस्थान के परिसर में नए सैनिक विद्यालय का विधिवत उद्घाटन देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा 23 सितंबर को किया गया। यह राजस्थान का चौथा सैनिक विद्यालय होगा। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि राजस्थान की धरती वीर प्रसूता है। इस धरती पर यह सैनिक विद्यालय देश की रक्षा के लिए योग्य सैनिकों को तैयार करने का कार्य करेगा। यह विद्यालय राजस्थान के युवाओं की देशभक्ति की भावना को मार्गदर्शित करने का भी कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि सैनिक विद्यालय विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं प्रदान करते बल्कि उनमें अनुशासन, साहस और देशभक्ति जैसे मूल्यों को भी स्थापित करते हैं।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

बूंदी में ऐतिहासिक धरोहर को ध्वस्त करने पर आक्रोशित समाज, सौंपे ज्ञापन

बूंदी के हाडा वंश के पूर्व शासक महाराव सूरजमल की कोटा व बूंदी जिले की सीमा पर तुलसी गांव में स्थित 600 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक छतरी को कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा गैर जिम्मेदार तरीके से कार्रवाई करते हुए 20 सितंबर को ध्वस्त कर दिया गया। कोटा प्रशासन द्वारा स्थानीय निवासियों को विश्वास में लिए बिना और प्राचीन धरोहरों को विस्थापित करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ऐतिहासिक महत्व की इस धरोहर, जो पूरे हाड़ौती क्षेत्र के निवासियों के लिए गौरव का केंद्र रही है और जहां स्थापित सूरजमल जी की मूर्ति की स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा सैकड़ो वर्षों से आराध्य के रूप में पूजा की जाती रही है, उसको यकायक जेसीबी चलाकर नष्ट करना प्रशासन की दुर्भावनापूर्ण एवं आपराधिक मानसिकता के साथ की गई कार्रवाई का प्रमाण है। प्रशासन के इस अपमानजनक कृत्य की जानकारी जैसे ही क्षेत्रवासियों और अन्य लोगों को हुई, वैसे ही देश-भर में लोग आक्रोशित हुए और उन्होंने विभिन्न माध्यमों से एवं विभिन्न मंचो पर इस आक्रोश को प्रकट किया। इस आक्रोश की प्रतिक्रिया में कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा निचले स्तर के कुछ कर्मचारियों को निलंबित करने एवं छतरी के पुनर्निर्माण के लिए अन्यत्र स्थान उपलब्ध करवाने के प्रस्ताव के साथ लीपा-पोती करने का प्रयास किया गया। इस प्रकार की लीपा-पोती से समाज के आक्रोश में और अधिक वृद्धि हुई एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों, राजनेताओं आदि के द्वारा इस कृत्य का विरोध किया गया। समाज के आक्रोश को अभिव्यक्ति देने के लिए श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में राज्य भर में जिला एवं उपखंड मुख्यालयों पर सक्षम अधिकारियों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे गए।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

अनवरत जारी है संस्कार शिविरों के आयोजन का क्रम

(छह दिन में 33 शिविरों में 4400 से अधिक शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

सांचौर

समाज की युवा पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण हेतु पूज्य तनसिंह जी द्वारा प्रदत्त संघदर्शन की व्यावहारिक प्रयोगशाला के रूप में श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन का क्रम अनवरत रूप से जारी है। इसी क्रम में 12 से 17 सितंबर तक छह दिन की अवधि में विभिन्न स्थानों पर कुल 33 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए जिनमें आठ मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर सम्मिलित हैं। इन शिविरों में 4400 से अधिक शिविरार्थियों ने संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शेखावाटी संभाग के हिसार प्रांत के रामपुरा गांव में 13 से 16 सितंबर तक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि पतन को रोकने के लिए मनुष्य में उसके कर्तव्य का बोध पैदा करना होगा। श्री क्षत्रिय युवक संघ यही कार्य कर रहा है और इसका प्रारंभ उसने क्षत्रिय जाति से किया है। उन्होंने कहा कि अन्यों को कर्तव्य पालन के लिए प्रेरित करने का एक मात्र मार्ग यही है कि हम स्वयं अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा से करें। शिविर में मिठडी केशरीसिंह, बीरान, किरतान, रामपुरा, लिखवा, बनगोठड़ी, छापड़ा, महेंद्रगढ़, हिसार आदि स्थानों से 60 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शेखावाटी संभाग के सीकर प्रांत के झेरली गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का दर्शन अपने आप में संपूर्ण जीवन दर्शन है। हम इस जीवन दर्शन को अपना कर अपने जीवन को सार्थक कर सकते हैं, जीवन की श्रेष्ठतम ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन यह जीवन दर्शन उपदेश की नहीं बल्कि आचरण की विषय-वस्तु है। इसीलिए आपको यहां इन शिविरों में इस कठिन प्रशिक्षण से गुजारा जा रहा है जिससे यह दर्शन आपके आचरण का अंग बन जाए। शिविर में इस्माइलपुर, चूड़ी, सुल्ताना, किठाना, बिंजासी, कासली, दीनवा आदि गांवों से 50 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। गोहिलवाड़ संभाग में कच्छ जिले के भुज शहर में स्थित राजपूत बोर्डिंग हाउस में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 14 से 17 सितंबर तक आयोजित हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने शिविर का संचालन किया।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

अनवरत जारी है संस्कार शिविरों के आयोजन का क्रम

(पेज एक से लगातार)

उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि कोई भी समाज संगठन से ही मजबूत बनता है लेकिन सच्चा संगठन केवल भाषणों और प्रवचनों से लाना संभव नहीं है। इसके लिए अनुशासन, संयम और त्याग की आवश्यकता होती है। श्री क्षत्रिय युवक संघ अपने स्वयंसेवकों को इन्हीं गुणों का व्यावहारिक शिक्षण देता है जिससे वे सामाजिक संगठन की मजबूत कड़ी बनकर समाज को शक्तिशाली बनाएं। उन्होंने कहा कि हमको शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से अपने आप को शक्तिशाली बनाना है तभी हम संगठन की ऐसी कड़ी बन सकेंगे जिसे कोई भी विपरीत परिस्थिति तोड़ नहीं सकती। शिविर में छात्रावास के अतिरिक्त नाना रेहा, मोटा रेहा, गजोड़, भुजपुर, गुंडाला, जुरू कैम्प, किडाना, गलपादर आदि गांवों से 103 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बीकानेर संभाग के श्री डूंगरगढ़ प्रांत के जोधासर गांव में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 13 से 16 सितंबर तक आयोजित हुआ जिसका संचालन गुलाब सिंह आशापुरा द्वारा किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि हमने चार दिन तक सामूहिक रूप से क्षत्रियोचित जीवन जीने हेतु संस्कारित होने का व्यावहारिक अभ्यास किया है। अब हमें अपने में सद्गुणों का विकास करना है तथा दुर्गुणों का विनाश करना है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक महापुरुषों का जीवन वृत्त हमारा प्रेरणास्त्रोत है। जैन धर्म के 24 तीर्थंकर, बौद्ध धर्म के गौतम बुद्ध, विश्नोई पंथ के जंभेश्वर जी सहित गांव-गांव में सती-झुझार व लोकदेवताओं के रूप में हमारा उज्ज्वल इतिहास रहा है। ऐसा इतिहास फिर से दोहराने के लिए हमें स्वयं को संघ से जोड़े रखना है, बार बार ऐसे मेलों में आते रहना है। शिविर में झंझेऊ, जोधासर, पुन्दलसर, लखासर, नारसीसर, धर्मास, इन्दपालसर हीरावतान, गुसांईसर, जाखासर, कानासर, भादला, नोखागांव, मोरखाना, श्रीडूंगरगढ़ और बीकानेर शहर से 135 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। ओमपालसिंह व कुलदीपसिंह जोधासर ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। शिविर के दौरान 15 सितंबर को जोधासर ग्रामवासियों के साथ स्नेहमिलन भी आयोजित किया गया। महाराष्ट्र संभाग में पुणे स्थित राजस्थान राजपूत समाज भवन में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 15 से 17 सितंबर तक आयोजित हुआ। खेत सिंह चांदेसरा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि हमें जो यहाँ बात बताई जाती है, उसे ग्रहण करें और फिर उसका आकलन करें कि हमारे आचरण में वह बात उतरी है या नहीं। उन्होंने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ नियमितता और निरंतरता की बात करता है। जो भी कार्य करें उसे नियमित व निरन्तर करते रहें। शिविर में पुणे, मुंबई, हैदराबाद व बेंगलुरु से 53 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। मध्य गुजरात संभाग के चरोतर प्रांत के नडियाद शहर में स्थित जीवन विकास स्कूल के तालुकदारी हॉस्टल में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 14 से 16 सितंबर तक आयोजित हुआ। इस शिविर में खोड़ा, काणेटी, देवा, धोलका, हाथज, सानंद, नडियाद आदि क्षेत्रों के 124 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन करते हुए योगेंद्रसिंह काणेटी ने शिविरार्थियों से कहा कि हम सभी अपना कीमती समय निकालकर इस शिविर में आए हैं, इसलिए उस कीमती समय का सदुपयोग सुनिश्चित करें। ऐसा तभी होगा जब हम यहां मिलने वाले शिक्षण को गंभीरतापूर्वक ग्रहण करें एवं उस शिक्षण के माध्यम से अपने आप को समाज व राष्ट्र के निर्माण में सहयोगी बनाएं। विद्यालय के संचालक रघुवीर सिंह मोगर ने सहयोगियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। बाड़मेर संभाग के सेड़वा प्रांत के गौड़ा गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 13 से 16 सितंबर तक आयोजित हुआ। शिविर संचालक भगवान सिंह दुधवा ने विदाई कार्यक्रम में शिविरार्थियों से कहा कि क्षत्रियों का इतिहास शौर्य, वीरता, दानशीलता, वचनबद्धता आदि गुणों से परिपूर्ण रहा है। क्षत्रिय युवा अपने इतिहास का अध्ययन करके इसके अनुसार अपना आचरण बनायें, तभी पूर्वजों के गौरव की रक्षा होगी। शिविर में गौड़ा, गंगासरा, कारटिया, फागलिया, बुअल, राणासर, बाखासर आदि गांवो के 105 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। समस्त ग्रामवासियों ने मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। बाड़मेर संभाग के ही गुड़ामालानी प्रांत में बादरेजी की ढाणी वांकलपुरा (महाबार) में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। छगन सिंह लुणू ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि व्यक्ति की तुलना में समाज बहुत विराट होता है। इसलिए समाज के प्रति स्नेह, सम्मान और कृतज्ञता के भाव के साथ व्यक्ति को समाज की सेवा

में अपने आप को नियोजित करना चाहिए। ऐसा करने के लिए पूज्य तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में हमें एक व्यावहारिक मार्ग प्रदान किया है। शिविर में वांकलपुरा, मीठडा, उंडखा, बूठ, सणाऊ, भालीखल, रामदेरिया, हाथीतला, गेंहू, बागोडा, महाबार आदि गांवों के 280 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सवाई सिंह महाबार ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के झालावाड़ प्रांत के तावी गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 14 से 17 सितंबर तक आयोजित हुआ। छनुभा पच्छेगांव ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि आज के समय में सभी तरफ अधिकारों की बात ही की जा रही है। परिवार, समाज, राष्ट्र और संसार से अधिक से अधिक किस प्रकार लिया जा सकता है यही व्यक्ति का दृष्टिकोण बन गया है। लेकिन श्री क्षत्रिय युवक संघ अधिकारों की नहीं कर्तव्य की बात करता है, लेने की नहीं देने की बात सिखाता है। शिविर में तावी, ओडख, मोढ़वाना, देरवादा, सुरेन्द्रनगर आदि स्थानों के 152 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। यशवंत सिंह तावी और वनराजसिंह ओडख ने स्थानीय समाजबंधुओ के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया।

चित्तौड़गढ़ प्रांत के रामपुरिया गांव में भी एक चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 13 से 16 सितंबर तक डॉ. हरि सिंह जी के फार्म हाउस परिसर में आयोजित हुआ। टैंक बहादुर सिंह गेंहुवाड़ा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि हम सभी अपने क्षात्र धर्म का पालन करें, अपने कर्तव्य तथा उद्देश्य को जानें, श्री क्षत्रिय युवक संघ का हमारे लिए यही संदेश है। पूज्य तनसिंह जी ने समाज के प्रति अपनी व्यथा को ही श्री क्षत्रिय युवक संघ का रूप दिया है। इस व्यथा को हम भी अनुभव करने का प्रयास करें। शिविरार्थियों को क्षत्रिय इतिहास एवं महापुरुषों से भी परिचित कराया गया। शिविर में चित्तौड़गढ़, उदयपुर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, अजमेर आदि जिलों के 160 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जोधपुर सम्भाग के ओसियां प्रांत के बालरवा गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। गेन सिंह ?चांदनी ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हम जैसा आचरण करेंगे वैसा ही हमारा चरित्र बनेगा। उच्च चरित्र वाले नागरिकों से ही समाज और राष्ट्र का जीवन भी उच्च बनता है। शिविर में बालरवा, बिंजवाडिया, तिंवरी, ओसियां, डिगाडी, मालूंगा, गड़ा, बापिनी, बेदू आदि गांवों के 192 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ गांव में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। मेवाड़ वागड़ संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविर के विदाई कार्यक्रम के समय शिविरार्थियों से कहा कि हम अपने समय का इस प्रकार से प्रबंधन करें कि हम सदैव सद्कर्मों में व्यस्त रहें और दुर्गुणों के लिए हम बिल्कुल भी उपलब्ध न हों। हम क्षत्रिय धर्म का पालन करें क्योंकि क्षत्रिय कुल में जन्म लेने के कारण यही हमारे लिए करणीय कर्म है। यही हमारे जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने शिविर में मिले शिक्षण को अपने व्यवहार का अंग बनाने के लिए नियमितता और निरंतरता के साथ अभ्यास करने की बात कही। शिविर में बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, उदयपुर, जैसलमेर जिलों के 91 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। करणी सिंह कुशलगढ़ ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। शिविर के विदाई कार्यक्रम के समय वागड़ क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह देवदा, कृष्णपाल सिंह टामटिया अहडा, महेंद्र सिंह ठीकरिया, मोहन सिंह ठीकरिया चंद्रावत, सवाई सिंह बिजेरी (थानाधिकारी कुशलगढ़), नरेंद्र सिंह गेहूंवाड़ा (थानाधिकारी कसारवाडी), सुरेंद्र सिंह बस्सी, जयगिरिराज सिंह बांसवाड़ा, गजराज सिंह भुवासा, राजेंद्र सिंह हिम्मत सिंह का गडा सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। इसी अवधि में बालोतरा संभाग के बायतु प्रांत के खोखसर धान्धूपूरा में स्थित सच्चियाय माता मंदिर के परिसर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ जिसका संचालन संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाड़ी ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि आज के इस दूषित वातावरण में बालकों का सुशिक्षित एवं संस्कारित होना अतिआवश्यक है इसलिए इस शिविर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्वधर्म एवं कर्तव्य पालन का पाठ पढ़ाया जा रहा है। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

डेलासर में समारोह पूर्वक मनाया राव डेल्हा जी स्मृति दिवस

जैसलमेर जिले के चांधन क्षेत्र के डेलासर गांव में स्थित राव श्री डेल्हा जी के प्राचीन स्मारक स्थल पर उनका स्मृति दिवस भादवा सुदी नवमी (12 सितंबर) को समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ श्री क्षत्रिय युवक संघ के चांधन प्रांत प्रमुख उमेद सिंह बड़ोड़ा गांव के संचालन में सामूहिक यज्ञ के साथ हुआ जिसमें डेलासर के मौनपुरी मठ के महादेव पुरी सहित उपस्थित क्षेत्रवासियों द्वारा आहुतियां दी गई। तत्पश्चात सभी ने डेल्हा जी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। कंवराज सिंह चांधन ने वीर डेल्हा जी का जीवन परिचय देते हुए बताया कि भगवान श्री कृष्ण की वंश परंपरा में जैसलमेर के संस्थापक महारावल जैसलदेव जी के वंशज जसहड़ जी के पौत्र जसोड़ भाटी कहलाए। कालांतर में जसोड़ भाटियों के गांवों को जसोड़ाटी नाम से पहचान मिली। इसी कुल में जसोड़ जी के पौत्र आसराव जी के घर डेल्हा जी का जन्म हुआ। राव श्री डेल्हाजी अपने

समय के महान योद्धा व राजनीतिज्ञ थे। उन्हें जैसलमेर रियासत के वीर दुगार्दास भी कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने अपनी कर्मभूमि झाबरा गांव व आस-पास के क्षेत्र को बनाया। उनके वंशज वर्तमान में चांधन, सोढाकोर, धायसर, भैरवा, मांलीगड़ा, सांवला, सगरा, जेठा, कर्मों की ढाणी, पीलवा आदि गांवों में निवास करते हैं। डेल्हा जी विक्रम संवत 1500 में जूंझार हुए और उनकी रानी सोढी जी उनके साथ सती हुई। अमर सिंह जेठा ने पथप्रेरक के 4 सितंबर के अंक में प्रकाशित आलेख 'प्रेरणा केंद्र हैं हमारी ऐतिहासिक धरोहरें' का वाचन किया। पूर्व विधायक सांग सिंह भादरिया, सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी किशन सिंह भादरिया, पूर्व प्रधान सुनीता कंवर भादरिया, भाजपा जैसलमेर जिला किसान मोर्चा के अध्यक्ष हाथी सिंह मूलाना, भाजपा नेता सगत सिंह चांधन, सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह चांधन, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन टीम जैसलमेर के सदस्य व व्याख्याता कमल सिंह भैंसड़ा, गोविंद सिंह भैंसड़ा, गुड्डी कंवर आदि वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने की बात कही। वक्ताओं ने सामाजिक एकता को बढ़ाने, महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने, इतिहास के शोध एवं अध्ययन को प्रोत्साहित करने, युवा पीढ़ी में संस्कार निर्माण के कार्य को महत्त्व देने एवं विद्यार्थियों को शिक्षा व रोजगार संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की बात भी कही। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सभी क्षेत्रवासियों ने सामूहिक रूप से नशा मुक्ति एवं मृत्यु भोज पर पाबन्दी लगाने का निर्णय लिया। कार्यक्रम का समापन स्नेहभोज के साथ किया गया।

गौरव स्थल की सफाई कर मनाया अधिकतम संख्या दिवस

श्री क्षत्रिय युवक संघ के अजमेर प्रांत में वीर दुगार्दास शाखा केकड़ी द्वारा 22 सितंबर को अधिकतम संख्या दिवस मनाया गया जिसमें शाखा के स्वयंसेवकों ने केकड़ी शहर में स्थित प्रताप सर्किल की साफ-सफाई की एवं अपने गौरव स्थलों की सार-संभाल करने का संकल्प व्यक्त किया।

झिनझिनयाली प्रांत के गांवों में किया संपर्क

जैसलमेर संभाग के झिनझिनयाली प्रांत के गज सिंह का गांव में 1 अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर को लेकर प्रांत के विभिन्न गांवों में संपर्क यात्रा का आयोजन किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक सांवल सिंह मोढा एवं अन्य सहयोगियों ने 25 सितंबर को भाडली, लखा, रणधा, कोहरा, मोढ़ा, तेजमालता, बिरमाणी आदि गांवों में संपर्क किया।

सांचौर में राजपूत सभा की बैठक संपन्न

सांचौर स्थित राव बल्लू जी राजपूत छात्रावास में श्री राजपूत सभा संस्था की बैठक 22 सितंबर को आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई एवं छात्रावास में भविष्य में किए जाने वाले विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक के दौरान छात्रावास में विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों हेतु समाजबंधुओ द्वारा आर्थिक सहयोग भी जुटाया गया। राव मोहन सिंह चितलवाना, लोकेंद्र सिंह सहित अनेको समाजबंधु बैठक में उपस्थित रहे।

गोपाल सिंह कादेड़ा बने श्री क्षत्रिय सभा केकड़ी के अध्यक्ष

श्री क्षत्रिय सभा केकड़ी के त्रैवार्षिक चुनाव केकड़ी स्थित श्री जगदम्बा छात्रावास में 15 सितंबर को संपन्न हुए। निर्विरोध संपन्न हुए इन चुनावों में गोपाल सिंह कादेड़ा को श्री क्षत्रिय सभा केकड़ी का अध्यक्ष चुना गया। गोपाल सिंह आगामी तीन वर्षों तक सभा के अध्यक्ष का कार्यभार संभालेंगे। दशरथ सिंह भराई एवं ब्रिजेंद्र प्रताप सिंह साकरिया ने चुनाव अधिकारी का दायित्व निभाया। चुनावों के दौरान श्री क्षत्रिय सभा की कार्यकारिणी के सदस्य एवं अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

जोबनेर में समारोह का आयोजन कर 300 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

श्री राजपूत सभा जयपुर देहात द्वारा 15 सितंबर को जयपुर के जोबनेर में स्थित सिंधी गार्डन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कक्षा 10 व 12 में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, राजकीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों, क्रीड़ा क्षेत्र में राज्य स्तर पर विजेता व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों, राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफल प्रतिभाओं, जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के शहीद होने वाले सैनिकों के परिजनों, कृषि भूमि खरीदने वाले समाजबंधुओं सहित राजपूत समाज के 300 से अधिक व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने कहा कि आज हमें आपसी मतभेदों और कटुता को भुलाकर सबको साथ लेते हुए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने इस समारोह के आयोजन की सराहना

करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है और अन्यों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। वृंदावन के संत बालकदास जी महाराज ने राष्ट्र एवं समाज में एकता बनाए रखने की बात कही। श्री राजपूत सभा, जयपुर के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने इतिहास से प्रेरणा लेने और वर्तमान का निर्माण करने की बात कही। जोबनेर के रावल संग्राम सिंह ने सभी का स्वागत किया। मोती सिंह सांवली ने जयपुर देहात राजपूत सभा का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। छीतर सिंह चिरनोटिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विजय सिंह (आरएएस), देवेन्द्र सिंह राणावत (टोंक उप जिला प्रमुख प्रतिनिधि), शंकर सिंह मनोहर (गणेश मंदिर समिति अध्यक्ष तारानगर), शंकर सिंह खंगारोत, पूर्व प्रधान बबली कंवर, रणवीर सिंह शेखावत (पूर्व प्रधान फूलेरा), गजेन्द्र सिंह खंगारोत, गोपाल सिंह रोजदा सहित राजपूत सभा की केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्य, देहात के सभी ब्लाकों के अध्यक्ष व महामंत्री, जिला कार्यकारिणी के सदस्य व अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हनुमान सिंह नागलभरडा एंव पंकज राठौड़ ने किया। कार्यक्रम के अंत में झोटवाड़ा ब्लॉक राजपूत समाज की ओर से सहभोज रखा गया।

संपादकीय

कर्मप्रेरणा से टूटेगी किंकर्तव्यविमूढ़ता

जीवन, व्यक्ति का हो अथवा समाज का, सदैव गतिशील रहता है। जो जड़ है, उसे जीवित नहीं कहा जा सकता। गति ही जीवंतता का प्रमाण है। गतिशील होने के कारण जीवन में अनेक प्रकार की बाधाओं का आना भी स्वाभाविक और अनिवार्य है। समाज भी चेतन व्यक्तियों से निर्मित होने के कारण अपने आप में एक चेतन और जीवित अस्तित्व है जो निरंतर विकास के पथ पर गतिमान रहता है। अतः सामाजिक जीवन में भी अनेक प्रकार की बाधाएं और समस्याएं जन्म लेती रहती हैं। समाज के सदस्य के रूप में हम सभी इन बाधाओं और समस्याओं को अनुभव करते हैं, उनसे विचलित और व्यथित होते हैं, उन पर चिंताएं व्यक्त करते हैं, उनको हल करने के उपायों के संबंध में सुझावों की वर्षा भी करते हैं, उन सुझावों पर अन्यों से अमल करने की अपेक्षाएं करते हैं और वे अपेक्षाएं पूरी न होने पर आक्रोशित होकर समाज के राजनेताओं, सामाजिक संस्थाओं आदि के साथ ही पूरे समाज को कोसने से भी चूकते नहीं हैं। लेकिन ऐसा करते समय हम जीवन और समस्याओं के स्वाभाविक और अवियोज्य संबंध को भूल जाते हैं और इसी कारण समस्याओं के बाह्य स्वरूपों में ही उलझ कर उन्हें हल करने के एकांगी प्रयासों तक सीमित हो जाते हैं और अन्ततः इन प्रयासों की असफलता, जो इनके एकांगीपन के कारण अवश्यंभावी है, से हताशा के शिकार हो बैठते हैं। हम इस सत्य को नहीं समझ पाते कि गतिमान जीवन में समस्याओं का आना एक प्रक्रिया है और इसीलिए समस्याओं के समाधान की भी एक प्रक्रिया हमारे पास होनी चाहिए। एक ऐसी प्रक्रिया जो किसी समस्या विशेष में ही उलझ कर समाप्त होने की बजाय सतत रूप से सभी समस्याओं के समाधान के लिए आधार की भूमिका निभा सके।

समाधान की आधारभूमि के रूप में वह प्रक्रिया क्या हो सकती है, इसे समझने के लिए सर्वप्रथम हमें समाज की समस्याओं के बाह्य स्वरूपों को देखने वाली सीमित दृष्टि को त्यागकर समस्याओं के मूल कारण को जानने का प्रयत्न करना होगा। विचार करें कि जब हम सामाजिक समस्याओं पर चिंतन अथवा चर्चा करते हैं तब हम किस समस्या को समाज की मुख्य समस्या मानते हैं? हम पाएंगे कि अलग-अलग व्यक्ति अथवा संस्थाएं अलग-अलग समय में अलग-अलग समस्याओं को समाज की मुख्य समस्या मानकर उन्हीं के समाधान को प्राथमिकता देकर कार्य करते हैं। कोई समाज में शिक्षा व रोजगार के अभाव को मुख्य समस्या मानता है, कोई दहेज, टीका, नशा आदि कुरीतियों को समाज की प्रमुख समस्या बताता है, कोई इतिहास विकृतिकरण को समाज के लिए सबसे गंभीर चुनौती मानता है तो कोई राजनीति और प्रशासन में घटते हमारे प्रतिनिधित्व को लेकर सबसे अधिक चिंता व्यक्त करता है। ऐसी ही अनेकों समस्याएं समाज के सामने सदैव उपस्थित रहती ही हैं और समस्याओं की यह उपस्थिति प्रत्येक जीवित समाज के लिए उतनी ही सत्य है जितनी हमारे समाज के लिए। इसीलिए वास्तविक प्रश्न समस्याओं की उपस्थिति का नहीं बल्कि उन समस्याओं को लेकर समाज द्वारा अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का है। समाज मूलतः हमारी सामूहिक शक्ति का प्रतिनिधि है और इस विराट सामूहिक शक्ति के सामने कोई भी समस्या लंबे समय तक टिक नहीं सकती। इस शक्ति के सक्रिय रहने तक सभी बाधाओं को पार करते हुए समाज की उर्ध्वगामी गति निरंतर बनी रहेगी। लेकिन यदि यह शक्ति निष्क्रिय हो जाए तो मार्ग में आने वाली सामान्य बाधा को भी पार नहीं किया जा सकता और ऐसा होने पर कोई भी समाज जड़गामी बनकर पतन के मार्ग पर चल पड़ता है। लेकिन समाज की विराट शक्ति विद्यमान होते हुए भी निष्क्रिय क्यों हो जाती है इस पर विचार करें तो हम पाएंगे कि इसका मूल कारण है - समाज में किंकर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति का पैदा होना। हमारे समाज के सामने जितनी भी समस्याएं हैं, उन सभी का समाधान समाज की सामूहिक शक्ति के नियोजन से संभव है लेकिन समाज में किंकर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति के कारण यह शक्ति निष्क्रिय और बिखरी हुई रहती है। इसलिए हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता किंकर्तव्यविमूढ़ता की इस स्थिति से बाहर निकलने की होनी चाहिए। अब प्रश्न उठता है कि ऐसा कैसे किया जाए? इसका उत्तर यही है कि किंकर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति वास्तव में अनिर्णय और निष्क्रियता की स्थिति है इसलिए इससे बाहर निकलने के लिए समाज में कर्म की प्रबल प्रेरणा उत्पन्न करनी आवश्यक है।

इस प्रबल कर्मप्रेरणा का सृजन ही वह प्रक्रिया है जो सामाजिक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए आधारभूमि बन सकती है। कर्मठता ही जीवन के मार्ग में आने वाली बाधाओं से पराजित हुए बिना गतिशील बने रहने का सूत्र है। लेकिन यह कर्मठता स्वतः पैदा नहीं होती बल्कि इसके लिए प्रेरणा की आवश्यकता होती है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने 'भिखारी की आत्मकथा' पुस्तक में लिखा है कि - ₹कर्म के स्वरूप की प्रेरणा बीज है। जहां यह बीज नहीं होगा, कर्म का पौधा उग ही नहीं सकता।₹ अतः समाज में प्रेरणा का सृजन ही वह एकमात्र उपाय है जिससे निष्क्रियता की जन्मदाता किंकर्तव्यविमूढ़ता को समाप्त किया जा सकता है। ऐसा किए बिना समाज की समस्याओं को हल करने का कोई भी प्रयत्न सफल नहीं हो सकेगा क्योंकि समाज की व्यापक समस्याओं को हल करने के लिए जिस सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है वह किंकर्तव्यविमूढ़ता के कारण निष्क्रिय और बिखरी हुई स्थिति में ही रहेगी। यहां यह भी समझना आवश्यक है कि प्रेरणा शुद्ध रूप में सत्य का ही स्फुरण है इसलिए सच्ची और स्थायी प्रेरणा नकारात्मकता, घृणा, कुटिलता, असत्य जैसे तत्वों से सृजित नहीं की जा सकती। त्याग, तपस्या, प्रेम और बंधुत्व जैसे तत्व ही सच्ची प्रेरणा का सृजन करने में समर्थ हो सकेंगे। इसलिए सामाजिक समस्याओं की मूल कारण स्वरूप किंकर्तव्यविमूढ़ता को दूर करने के लिए इन्हीं तत्वों के माध्यम से कर्म प्रेरणा के निरंतर सृजन की प्रक्रिया पूज्य श्री तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में प्रारंभ की। आएं, हम भी इस प्रक्रिया में शामिल होवें और सामाजिक समस्याओं के बाह्य स्वरूप तक ही सीमित न रहकर उनके मूल कारण को समाप्त करने में सहयोगी बनें।

बैठक कर लिया नशामुक्ति का संकल्प

जैसलमेर जिले के चांधन क्षेत्र के भैरवा व मालिंगडा ग्रामवासियों ने 22 सितंबर को बैठक का आयोजन करके नशा मुक्ति का संकल्प लिया। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी किशन सिंह भादरिया के मार्गदर्शन में संपन्न इस बैठक में ग्रामवासियों ने सामाजिक कुरीतियों को रोकने एवं समाज में शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए मिलकर प्रयास करने पर चर्चा की एवं सामाजिक आयोजनों में नशे पर पूर्ण प्रतिबंध का निर्णय लिया। 26 सितम्बर को धायसर में भी ऐसी ही बैठक का आयोजन किया गया।

आशायच में यज्ञ का आयोजन कर किया पाबूजी को नमन

जैसलमेर संभाग में चांधन प्रांत के बडोड़ा गांव मंडल में आशायच गांव के पास स्थित लोकदेवता श्री पाबूजी के प्राचीन मंदिर में श्री क्षत्रिय युवक संघ के चांधन प्रांत के तत्वावधान में शाखा वर्ष के निमित्त सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया गया। पाबू जी के अवतरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन प्रांत प्रमुख उम्मेद सिंह बडोड़ा गांव द्वारा किया गया। रणवीर सिंह, देरावर सिंह, उगम सिंह, बलवीरसिंह, जगदीश सिंह सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में शामिल हुए। आशायच शाखा के स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे। पाली प्रांत के सोजत मंडल में सारंगवास गांव में स्थित पाबू जी मंदिर में भी पाबूजी की जयंती शाखा स्तर पर मनाई गई।

अवि अंश राठौड़ ने संविधान पर चर्चा प्रतियोगिता में जीता पुरस्कार

नागौर जिले की मकराना तहसील के शिवरासी गांव के निवासी अवि अंश राठौड़ ने अपनी टीम के साथ पारुल विधि संस्थान द्वारा पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा में 12 से 16 सितंबर तक आयोजित 'संविधान पर चर्चा 2.0 : नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता - 2024' में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी टीम ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 40 अन्य टीमों को पराजित करके ट्रॉफी एवं एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि जीती। अवि राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य कर्नल केसरी सिंह के पुत्र हैं।

शैलेन्द्र प्रताप सिंह बने लेफ्टिनेंट

कादेड़ा निवासी शैलेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र करणी सिंह भारतीय सेना की आसाम रेजीमेंट में लेफ्टिनेंट के पद पर पदस्थापित हुए हैं। शैलेन्द्र प्रताप सिंह 2017 में एनडीए परीक्षा में चयनित हुए थे तथा उन्होंने 2023 में ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, चेन्नई में प्रशिक्षण के लिए क्वालीफाई किया। 7 सितंबर 2024 को उन्होंने अपना प्रशिक्षण पूरा किया। बचपन से ही मेधावी छात्र रहे शैलेन्द्र 2015 में सीबीएसई सेकेंडरी परीक्षा में मेरिट होल्डर रहे हैं एवं 2016 में स्कूल स्काउटिंग में राष्ट्रपति पुरस्कार भी प्राप्त कर चुके हैं।

सिक्किम में शहीद हुए सुल्ताना के जितेंद्र सिंह

झुंझुनूं जिले के सुल्ताना गांव के निवासी भारतीय सैनिक जितेंद्र सिंह 13 सितंबर को सिक्किम में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते समय शहीद हो गए। 1998 में भारतीय सेना में भर्ती हुए जितेंद्र सिंह सेना सेवा कोर की 27 डीओयू यूनिट में हवलदार के पद पर सेवारत थे। 13 सितंबर को गोला बारूद को एक पोस्ट से दूसरी पोस्ट तक मूव करते समय गाड़ी में उनकी तबीयत बिगड़ गई एवं इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। 48 वर्षीय जितेंद्र सिंह की पार्थिव देह के उनके पैतृक गांव पहुंचने पर क्षेत्रवासियों द्वारा उनके सम्मान में 5 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई एवं सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि.	28.09.2024 से 30.09.2024 तक	मालजिभी, पिपरिया, जामकडोरणा, राजकोट।
02.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	28.09.2024 से 30.09.2024 तक	थोरड़ी, जामकडोरणा, राजकोट।
03.	प्रा.प्र.शि.	30.09.2024 से 03.10.2024 तक	गजसिंह का गांव, जैसलमेर।
04.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	टावरीवाला, जैसलमर।
05.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	पीलवा, फलोदी।
06.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	कुड़ (जोधपुर)। **(संशोधित समय)**
07.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	विश्वकर्मा नगर, जोधपुर।
08.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	गेलासर (नागौर)।
09.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	पहाड़पुरा, जसवंतपुरा, जालोर। **सम्पर्क सूत्र:** प्रवीणसिंह सुरावा-96600-80210 उत्तमसिंह पहाड़पुरा-80584-24313 बहादुरसिंह पहाड़पुरा-95872-11121
10.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	11.10.2024 से 14.10.2024 तक	आलोक, आश्रम (बाड़मेर)।
11.	प्रा.प्र.शि. बालिका	11.10.2024 से 14.10.2024 तक	कालेवा, बालोतरा।
12.	मा.प्र.शि.	24.10.2024 से 30.10.2024 तक	पांचौटा, श्री नागणेचीजी माताजी मंदिर, तहसील-आहोर। **सम्पर्क सूत्र:** मदनसिंह थूंबा-94134-95628, खुमान सिंह दूदिया- 9982667270 देवीसिंह प्रतापगढ़-9001119848
13.	मा.प्र.शि.	24.10.2024 से 30.10.2024 तक	सनावड़ा, जैसलमेर।
14.	मा.प्र.शि.	25.10.2024 से 31.10.2024 तक	कल्याणपुर, बालोतरा।
15.	प्रा.प्र.शि.	26.10.2024 से 29.10.2024 तक	चाइल्ड हेवन पब्लिक स्कूल, रायकी, आसपुर
16.	मा.प्र.शि.	26.10.2024 से 31.10.2024 तक	दिवराला, अणंतसिंह राजपूत सभा भवन, तहसील. श्रीमोधपुर नीमकाथाना। श्रीमाधोपुर, रींगस, शाहपुरा, सीकर, चूरू, अलवर दांतारामगढ़, परबतसिर, मेड़ता से बस उपलब्ध। **सम्पर्क सूत्र:** जयसिंह दिवराला 94147-82772, विक्रमसिंह दिवराला 80589-35460
17.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	03.11.2024 से 06.11.2024 तक	बडोड़ा गांव, जैसलमेर।
18.	मा.प्र.शि.	04.11.2024 से 10.11.2024 तक	मालजीडी, पीपड़िया, तहसील-जामकण्डोरना राजकोट।
19.	मा.प्र.शि. बालिका	05.11.2024 से 11.11.2024 तक	थोरड़ी, तहसील, जामकण्डोरना, राजकोट।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

कलिकेश नारायण सिंह देव बने नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

कलिकेश नारायण सिंह देव को नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) का नया अध्यक्ष चुना गया है। 21 सितंबर को नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में हुए चुनाव में उन्होंने वीके धल्ल को 36 वोटों के मुकाबले 21 वोटों से हराया। राजस्थान उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश अनिल देव सिंह ने इन चुनावों में रिटर्निंग अधिकारी का दायित्व निभाया। कलिकेश नारायण सिंह देव ओडिशा के बोलांगीर लोकसभा क्षेत्र से दो बार सांसद रह चुके हैं एवं वर्तमान में बोलांगीर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। वे पूर्व राजनीतिज्ञ और पट्टायात राजा अनंगा उदय सिंह देव के पुत्र और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री राजेंद्र नारायण सिंह देव के पोते हैं।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु नि:शुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
सम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

अनवरत जारी है संस्कार शिविरों के आयोजन का क्रम

(पेज दो से लगातार)

उन्होंने कहा कि इस प्रकार का सामूहिक शिक्षण सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर को संजोने व समाज में एकता और अनुशासन का संदेश पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। शिविर में नौसर, कानोड, चिड़िया, जाजवा, गिडा, लापुंदड़ा, परेऊ, सिमरखिया, पाटौदी, नवातला, हड़मतनगर, रतेउ, सवाऊ गांवों के अतिरिक्त बालोतरा, शेरगढ़ व फलसूँड़ क्षेत्र से 200 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्थानीय समाजबंधुओ ने मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। शेखावाटी संभाग के चुरू प्रांत के साहवा गांव में भी 13-16 सितंबर तक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना ने शिविर का संचालन किया। अंतिम दिन शिविरार्थियों को विदाई देते हुए उन्होंने कहा कि श्री

गौड़ा

क्षत्रिय युवक संघ का कार्य ईश्वरीय कार्य है और हमें इस कार्य को निष्ठापूर्वक पूरा करना है। विगत चार दिनों में जिन गुणों का अंकुरण हमारे भीतर किया गया है, उनको नष्ट नही होने देना है। हमें इन बीजों को ऐसा वातावरण उपलब्ध करवाना है जिससे ये ऐसे विशाल वृक्ष का रूप ले सके जिनकी छाँव का लाभ पूरे समाज को हो। इसके लिए हमें प्रतिदिन एक घंटा शाखा के रूप में इन गुणों का अभ्यास करना है। शिविर में साहवा, तारानगर, दुलारी, भाड़ंग, तोगावास, भालेरी, रेडी, नुवां, गौरीसर आदि गाँवो के 70 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वीरबहादुर सिंह एवं आनन्द सिंह ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक मातु सिंह मानपुरा भी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। जालौर सम्भाग के बाला गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 12 से 15 सितंबर तक आयोजित हुआ। ईश्वर सिंह सरण का खेड़ा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि क्षत्रिय जाति में जन्म देकर हमको भगवान ने तो श्रेष्ठ बना दिया परन्तु हम स्वयं उस श्रेष्ठता का रास्ता भूल गये हैं। हम पुनः श्रेष्ठ बनें, इस हेतु यह अभ्यास करवाया जा रहा है। शिविर में पूरा अभ्यास हमको क्षत्रिय बनाने का ही है। शिविर में बाला, धींगाणा, भवरानी, गुडा रामा, कोराना, राजनवाडी, उण, रातडी, खण्डप, आकोरापादर, थुम्बा, जोगावा, पांचोटा, देवास, कुलथाना, तोडमी, मोरुआ, रटुजा, आहोर आदि स्थानों के 141 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्थानीय समाजबंधुओं ने मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। जैसलमेर संभाग के पोकरण प्रांत के हरियासर (राजमथाई) गांव में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 13 से 16 सितंबर तक आयोजित हुआ। उम्मेद सिंह बड़ोडा गांव ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि हमारे पूर्वजों ने त्याग और बलिदान का मार्ग अपनाया था इसीलिए वे सभी के लिए सम्मानीय और पूज्य बने। हमारे सामने भी अनेकों बार त्याग और बलिदान का अवसर आता है लेकिन हम उस अवसर को चूक जाते हैं और इसीलिए इतिहास नहीं बना पाते। उन्होंने कहा कि केसरिया ध्वज हमारे गौरव का प्रतीक होने के कारण हमारे लिए पूजनीय है। हमें कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे उस गौरव को ठेस लगे। शिविर में राजमथाई, भैसड़ा, फलसूंड, दाँतल, राजगढ़, चौक, सनावड़ा, जालोड़ा पोकरना, बडोड़ागाँव आदि के 233 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जोधपुर संभाग के शेरगढ़ प्रांत के सोलंकिया तला गांव में भी इसी अवधि में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। महेंद्र सिंह गुजरावास ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ की शिविर की प्रत्येक गतिविधि में जीवन के गहन सिद्धांतों का अभ्यास निहित है। इसलिए जागृत होकर प्रत्येक गतिविधि में भाग लेवें। विदाई के समय उन्होंने शिविर में मिले हुए शिक्षण पर दृढ़ रहने और शाखा व शिविर के माध्यम से निरंतर श्री क्षत्रिय युवक संघ के संपर्क में रहने की बात कही। शिविर में सोलंकियातला, सेतरावा, सुवालिया, रायसर, भूंगरा, नाहरसिंह नगर, तेना, रावलगढ़ आदि गांवों के 211 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्थानीय समाजबंधुओ ने मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। इसी अवधि में जयपुर संभाग के उत्तर पूर्व जयपुर प्रांत में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर महारानी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दांतिल रोड, खड़ब नारेहड़ा (कोटपुतली) में आयोजित हुआ। जयपुर संभाग प्रमुख राम सिंह अकदड़ा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निष्ठा और समर्पण की आवश्यकता होती है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने समाज की सेवा का जो उद्देश्य श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में हमारे सामने रखा है उसे भी हम तभी पूरा कर सकेंगे जब हम पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ इस कार्य को करेंगे। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 112 शिविरार्थियों ने संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। नागौर संभाग के डीडवाना प्रांत के पीड़वा गांव में स्थित राष्ट्र नायक दुगार्दास राठौड़ भवन में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि हम कौन हैं, जब तक हमें इसकी पहचान नहीं हो जाती तब तक हमारा इस संसार में क्या कर्तव्य हैं, इसको भी हम नहीं पहचान सकते। हमने जिस कुल में जन्म लिया है, उस कुल की परंपरा और संस्कृति को जानकर ही हम अपने स्वधर्म की पहचान कर सकते हैं। हमारे पूर्वजों ने जिस क्षात्रधर्म का पालन किया वही हमारा भी स्वधर्म है। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें उसी क्षात्रधर्म के पालन का पाठ पढ़ा रहा है। शिविर में पीड़वा सहित बगतपुरा, गांवड़ी, खरेश, भंडारी, सागुबड़ी, बरनेल, जाखली आदि गांवों के 88 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया।

गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के सोनगढ़ गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 15 से 17 सितंबर तक आयोजित हुआ जिसका संचालन प्रवीण सिंह धोलेरा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हमारा संकल्प दृढ़ होना चाहिए तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। यदि कमजोर संकल्प के सहारे हम संघ और समाज में कार्य करना चाहते हैं तो हमें निराशा ही हाथ लगेगी। संघ का कार्य पूरे जीवन भर किया जाने वाला कार्य है जिसमें अनेकों प्रकार की कठिनाइयां आएंगी। उन कठिनाइयों से वही पार हो सकेंगे जिनका संकल्प मजबूत होगा। शिविर में क्षेत्र के 70 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उत्तर गुजरात संभाग के पालनपुर प्रांत के मेमदपुर गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 14 से 17 सितंबर तक आयोजित हुआ। भगवान सिंह वलादर ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि हमें समाज के प्रति अपने कर्तव्य को कभी भी भूलना नहीं चाहिए। केवल अपने और अपने परिवार के लिए ही जीवन जीना संकुचित जीवन जीना है। हमारे पूर्वजों ने ऐसे संकुचित जीवन को सदैव हेय माना और प्राणी मात्र के हित के लिए अपने जीवन को समर्पित करने से कभी पीछे नहीं हटे। उनसे प्रेरणा लेकर हमें भी अपने जीवन को प्राणी मात्र की सेवा में समर्पित करने का प्रयास करना है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इसके लिए हमें तैयार कर रहा है। शिविर में वलादर, जाडी, चारडा, भेसाणा, नंदाली, धोता, डालवाणा, तेनीवाडा, मेमदपुर, वडगाम, वरवाडिया, मेजरपुरा, मोटा, मगरवाडा, नालोदर, आगणवाडा, अनापुर छोटा, छनियाणा, पीलुचा ,हाथीपुरा, थलवाडा, रणछोडपुरा, नगाणा, भोगरोडिया, मेगाल, मोलोसणा, फतेपुर आदि गांवों के 134 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। व्यवस्था का दायित्व स्थानीय समाजबंधुओ ने मिलकर संभाला। बाड़मेर संभाग के गड़रारोड प्रांत में सालमसिंह की बस्ती, मेदूसर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 13 से 16 सितंबर तक आयोजित हुआ जिसका संचालन उदय सिंह देदूसर ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि पूज्य तनसिंह जी ने आजादी से पहले ही आने वाले समय की परिस्थितियों को देख लिया था और उन परिस्थितियों में समाज के सामने आने वाली चुनौतियों को समझते हुए उनके समाधान के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में हमें एक रामबाण औषधि प्रदान कर दी। अब यह हमारा दायित्व है कि हम संघ के संदेश को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 103 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

रामपुरा

जैसलमेर शहर प्रांत के भोपा गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। भोजराज सिंह तेजमालता के संचालन में इस शिविर में 145 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। तेजमालता ने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि यहां चार दिनों तक हमने जो तपस्या की है वह फलीभूत तभी होगी जब हम संघ के निरंतर संपर्क में रहेंगे। इसके लिए हमें नियमित संघ की शाखा में जाना होगा, अपने साथी स्वयंसेवकों एवं वरिष्ठ जनों के निरंतर संपर्क में रहना होगा और अपने आप को पुनः ऊर्जा से भरने के लिए बार-बार ऐसे शिविरों में आते रहना होगा। उत्तर गुजरात संभाग के मेहसाणा प्रांत के भैंसाणा गांव में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 14 से 17 सितंबर तक आयोजित हुआ। हरपालसिंह भैंसाणा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि आज के समय में सभी ओर नकारात्मकता की बातें अधिक की जाती हैं। ऐसे में समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो सकारात्मक ऊर्जा के साथ निरंतर कार्य करें और समाज में निराशा और हताशा के वातावरण को दूर करें। ऐसा वही कर सकता है जिसका चरित्र श्रेष्ठ हो और जिसमें तपस्या की शक्ति हो। श्री क्षत्रिय युवक संघ ऐसे ही युवा तैयार करने का कार्य कर रहा है। शिविर में 131 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। जोधपुर सम्भाग में मोटाई गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 13 से 16 सितंबर तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए हरि सिंह ढेलाणा ने शिविरार्थियों से कहा कि समाज की युवा पीढ़ी की ऊर्जा समाज को प्रगति के पथ पर ले जा सकती है लेकिन वही ऊर्जा यदि स्वच्छंद, अनियंत्रित और तामसिक बन जाए तो वह पतन का मार्ग भी खोल सकती है। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के माध्यम से समाज की युवा पीढ़ी की ऊर्जा को निरंतर सतोगुणीय स्वरूप देने का कार्य कर रहा है। शिविर में 65 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। मध्य गुजरात संभाग में अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत के काणेटी गांव में तीन दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर 14 से 16 सितंबर तक आयोजित हुआ जिसमें खोड़ा, मोडासर , पीपण, काणेटी, अहमदाबाद, गांधीनगर, वसई , पलवाड़ा, साणंद सहित आस-पास के गांवों की 82 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जागृतिबा हरदासकाबास ने शिविर का संचालन करते हुए बालिकाओं से कहा कि मातृशक्ति को अपने कर्त्तव्य, धर्म और अपनी जिम्मेदारी का अनुभव कराते हुए उसे सहजता पूर्वक पूरा करने का मार्ग दिखाने का कार्य श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा किया जा रहा है। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

(पृष्ठ छह का शेष)

अनवरत...

परिवार में माता का दायित्व सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि वही अपनी संतान के चरित्र की निर्मात्री होती है। उन्होंने कहा कि हम अपनी संस्कृति को जानें और उसके अनुरूप स्वयं आचरण करें, तभी हम आने वाली पीढ़ी को भी कर्त्तव्य और स्वधर्म पालन के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर सकेंगी। जय अंबे स्वयं सेवक संघ, काणेटी द्वारा व्यवस्था का दायित्व संभाला गया। चित्तौड़गढ़ प्रांत में 14 से 17 सितंबर तक मातृशक्ति प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर गंगरार स्थित राजपूताना ग्रीन्स फार्म हाउस पर संपन्न हुआ। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली के निर्देशन में लक्ष्मी कंवर खारड़ा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविर के अंतिम दिन विदाई कार्यक्रम में बालिकाओं से कहा कि कोई भी श्रेष्ठ वस्तु केवल अपने तक सीमित रखना स्वार्थ का लक्षण है। इसलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ से जो शिक्षण हमें मिल रहा है उसे भी केवल अपने तक सीमित रखकर हमें स्वार्थी नहीं बनना है बल्कि सभी तक उस शिक्षण को, उस दर्शन को पहुंचाना है। शिविर में चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, उदयपुर डूंगरपुर, बांसवाड़ा, अजमेर आदि जिलों के विभिन्न स्थानों से 140 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। एक बालिका उत्तराखंड से भी उपस्थित रही। शिविर के समापन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जौहर स्मृति संस्थान महिला उपाध्यक्ष निर्मला कुंवर उलपुरा, कान सिंह राठौड़, खुमाण सिंह निंबाहेड़ा, लोकेंद्र सिंह रूद, विक्रम सिंह झालरा सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। 14 सितंबर से 17 सितंबर तक गोहिलवाड सम्भाग के गोपनाथ गांव में स्थित बापा सीताराम फार्म हाउस पर भी मातृशक्ति प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर के प्रथम दिन मातृशक्ति का स्वागत करते हुए शिविर संचालक कल्पनाबा वावडी ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ आप सभी का तिलक लगाकर स्वागत कर रहा है क्योंकि आप क्षत्रिय समाज की आशा की किरण हैं। आज की बेटी कल की माँ है और माँ को निमार्ता कहा जाता है क्योंकि वह बच्चे के व्यक्तित्व को आकार देती है। शिविर के दौरान बालिकाओं को राइफल शूटिंग का प्रशिक्षण भी दिया गया एवं गोपनाथ लाइट हाउस का भ्रमण करवाया गया। शिविर में तलाजा, रोजिया, मधुवन, खंढेरा, वाटलिया, झांझमेर, मोरचंद, अवानिया, त्रापज, नवी कामरोल, नवा सांगाना, धोलेरा, वरतेज, खाटडी, विभद्री, नेशिया, मगलाना, सांढीडा, वेलावदर, मोटी जागधार, चोमल, वालर, सोंदरडा, नारी, कनाड, ध्राफा, शाहपुर, वाणीयागाम, कालमेघडा, थलसर, खड़सलिया, वावडी गांवों की 119 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अशोकसिंह रोजिया, शक्तिसिंह चोक, नटूभा झांझमेर ने स्थानीय समाजबंधुओं के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। बीकानेर संभाग के मोरखाणा गांव में चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर आज 13 से 16 सितंबर की अवधि में संपन्न हुआ। वरिष्ठ स्वयंसेवक जोरावर सिंह भादला के निर्देशन में चेतना कंवर आलसर ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि जो समाज अपने इतिहास को भूल जाता है, वह पथ भ्रष्ट हो जाता है। इसलिए अपने इतिहास और संस्कृति के बारे में हमें जानने और उसे संजोने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि श्री क्षत्रिय युवक संघ क्षत्रियोचित संस्कार निर्माण की पाठशाला है जहां एक कृत्रिम वातावरण का निर्माण कर संसार के सामान्य प्रवाह से विपरीत जीवन दर्शन का पाठ पढ़ाया जा रहा है। शिविर में मोरखाणा, कीरतासर, सोवा, नोखागांव, भादला, नाथूसर, गुंदुसर, कोलायत, श्री डूंगरगढ़, पूगल, बज्जू आदि क्षेत्रों की 160 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। भंवर सिंह, देवी सिंह, शेर सिंह, ओंकार सिंह, भगवान सिंह, रेवंत सिंह, भैरू सिंह, मूल सिंह, उम्मेद सिंह, करणी सिंह, नारायण सिंह आदि अनेको ग्रामवासियों ने व्यवस्था में सहयोग किया।

जालौर सम्भाग में सांचौर स्थित श्री राव बल्लू जी राजपूत छात्रावास में भी चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। रश्मि कंवर देलदरी ने शिविर का संचालन करते हुए बालिकाओं से कहा कि हमारे समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल इतिहास में मातृशक्ति का बहुत बड़ा योगदान है। उससे प्रेरणा लेते हुए हमें वर्तमान में भी अपने दायित्व को समझने और उसे पूरा करने की महत्ती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि माता के रूप में हम ही आने वाली पीढ़ी को सही दिशा दर्शन प्रदान कर सकती हैं। लेकिन यह तभी संभव है जब हम स्वयं संस्कारित हों। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ के इन शिविरों में बार-बार आकर हमें स्वयं को संस्कारित और श्रेष्ठ बनाना है। शिविर में जालौर, सिरोही, पाली, बालोतरा के साथ ही गुजरात से 270 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसी अवधि में जोधपुर संभाग के देवलिया गांव में भी एक मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। कैलाश कंवर मुंगेरियां ने शिविर का संचालन करते हुए बालिकाओं से कहा कि कर्तव्य पालन का मार्ग कठिन होता है। उस पर चलने के लिए अपनी इच्छाओं को त्यागना पड़ता है, विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष करना पड़ता है। संघ के शिविरों में कष्टपूर्ण साधना का अभ्यास हमें इसीलिए करवाया जा रहा है जिससे हम अपने कर्तव्य पालन के मार्ग में आने वाली बाधाओं से कभी भी विचलित ना हों। उन्होंने सदैव अपने निश्चय को स्मरण रखने और उसे पर दृढ़ रहने की बात कही। शिविर में आस-पास के गांवों से 101 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उत्तर गुजरात संभाग के मेहसाणा प्रांत के उबखल गांव में भी एक मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर 14 से 16 सितंबर तक आयोजित हुआ। उर्मिलाबा पछेगांव ने शिविर का संचालन करते हुए बालिकाओं से कहा कि हमारी माताओं ने अपने स्वाभिमान और गौरव की रक्षा के लिए जौहर जैसी परंपरा को अपनाया था। लेकिन आज बलिदानों से स्थापित उस गौरव पर चारों तरफ से आक्रमण हो रहे हैं। इन आक्रमणों से हमारी संस्कृति और परंपरा की रक्षा का दायित्व हम पर ही है। हम अपने आप को संस्कारित बनाएं और समाज की बालिकाओं को अधिक से अधिक संख्या में श्री क्षत्रिय युवक संघ के संपर्क में लाकर संस्कार निर्माण के इस कार्य को गति प्रदान करें तभी ऐसा संभव होगा। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 135 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। भीलवाड़ा प्रांत के गुलाबपुरा गांव में भी एक चार दिवसीय मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर 13 से 16 सितंबर तक आयोजित हुआ जिसका संचालन संतोष कंवर सिसरवादा ने किया। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि माता सीता, पद्मावती, मीरा, हाड़ी रानी आदि ने जिस प्रकार के आदर्श हमारे सामने रखे, उन आदर्शों को हमें भी अपने जीवन में धारण करने का प्रयास करना है। नियमित और निरंतर अभ्यास से ही यह हो सकता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ का शिक्षण हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन जाए तो यह कार्य कठिन नहीं है। शिविर में 190 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

(पृष्ठ एक का शेष)

भवानी निकेतन...

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में बड़ी संख्या में सैनिक परिवार रहते हैं और राजस्थान का इतिहास भी ऐसा है कि यहां के बच्चों में बाल्यकाल से ही देशभक्ति और वीरता की भावना प्रबल होती है। इस भावना और उत्साह को इस सैनिक विद्यालय के माध्यम से प्रकटीकरण का अवसर प्राप्त होगा। श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति के अध्यक्ष शिवपाल सिंह नांगल ने कहा कि आज यहां जिस सैनिक विद्यालय व छात्रावास भवन की नींव रखी गई है, उसे देश का सर्वश्रेष्ठ सैनिक विद्यालय बनाने का हम सब मिलकर प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड (युवा एवं खेल मामले मंत्री), मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री) मंजू शर्मा (सांसद), राजेन्द्र राठौड़ (पूर्व नेता प्रतिपक्ष), दक्षिण पश्चिमी कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, मेजर जनरल आर.एस. गोदारा, सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह, बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, मसूदा विधायक विरेंद्र सिंह कानावत, रामचरण बोहरा (पूर्व सांसद) सहित अनेकों पूर्व सैन्य अधिकारी व विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में शिक्षा समिति के सचिव गुलाब सिंह मेड़तिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बूंदी में...

जिनमें इस दुष्कृत्य के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों को बर्खास्त करने एवं उनके विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज करने, राजस्थान में स्थित 100 वर्ष से अधिक पुराने ऐसे सभी ऐतिहासिक व जन आस्था के केंद्र स्थलों के संरक्षण हेतु स्पष्ट नीति बनाने, महाराजा सूरजमल की छतरी को पुनः उसी स्थान पर उसी स्वरूप में स्थापित करने एवं वहां बनने वाले हवाई अड्डे का नामकरण महाराजा सूरजमल के नाम पर करने की मांग की गई। इस ज्ञापन अभियान में समाजबंधुओ द्वारा 25 सितंबर को केकड़ी, चित्तौड़गढ़, चुरू, श्रीगंगानगर, सांचौर जिला मुख्यालय पर एवं सरवाड़, भिनाय, सांगानेर, चाकसू, निवाई, राजगढ़, तारानगर, रतनगढ़, सरदारशहर, आहोर, चितलवाना, कपासन, आसींद, सोजत एवं सुमेरपुर उपखंड मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपे गए। 26 सितंबर को डीडवाना-कुचामन, जैसलमेर, सीकर, डूंगरपुर, जयपुर, बाड़मेर, बीकानेर, पाली, उदयपुर व नागौर जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन सौंपे गए। रेवदर, कुचामन सिटी, निंबाहेड़ा, आबूरोड, बेगूं, बूंदी, चौमूं, लाडनूं, हिंडौन सिटी, रानीवाड़ा, शिवगंज, जायल, चौहटन, बालोतरा व रानी उपखण्ड मुख्यालयों पर एवं छोटी खाटू, गढ़ सिवाना, भादराजून, मौलासर, पिलानी तहसील मुख्यालयों पर भी ज्ञापन सौंपे गए। 27 सितंबर को तहसील मुख्यालय बोरड़ा (केकड़ी), उपखंड मुख्यालय भिंडर (उदयपुर) उपखंड मुख्यालय भीनमाल (जालौर), जिला मुख्यालय अजमेर, उपखंड मुख्यालय गंगरार, उपखंड मुख्यालय दिलवाड़ा, उपखंड मुख्यालय डेगाना, जिला मुख्यालय प्रतापगढ़, जिला मुख्यालय जोधपुर, उपखंड मुख्यालय पिंडवाड़ा, जिला मुख्यालय अजमेर आदि स्थानों पर माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे गए। 27 सितंबर को संभागीय मुख्यालय जोधपुर पर एवं अजमेर, प्रतापगढ़, कोटपुतली-बहरोड़ जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन सौंपे गए। उपखण्ड मुख्यालय भिंडर, भीनमाल, गंगरार, देलवाड़ा, पिण्डवाडा, डेगाना व पोकरण पर एवं तहसील मुख्यालय, बोराड़ा व गनोड़ा पर भी ज्ञापन सौंपे गए।

चैन सिंह दूधवा को पितृ शोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक चैन सिंह दूधवा के पिता **श्री भंवर सिंह जी** का देहावसान 13 सितंबर 2024 को 84 वर्ष की आयु में हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्री भंवर सिंह जी

कोटा में समारोह पूर्वक मनाई महाराजा उम्मेद सिंह द्वितीय की जयंती

अनंत चतुर्दशी की पूर्व संध्या पर 16 सितंबर को कोटा में महाराजा उम्मेद सिंह द्वितीय की जयंती समारोह पूर्वक बनाई गई। हाड़ौती क्षत्रिय शिक्षा प्रचारिणी समिति के तत्वाधान में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में शिक्षा, खेल, प्रतियोगिता परीक्षा आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली राजपूत समाज की 90 प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि महाराज उम्मेद सिंह द्वितीय ने ही आधुनिक कोटा की नींव रखी थी और उनकी दूरदर्शिता के कारण ही कोटा विकास के पथ पर आगे बढ़ने में सफल हुआ। उनके अमूल्य योगदान को स्मरण रखते हुए हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए एवं उन्हीं की तरह राष्ट्र के गौरव को बढ़ाने में सहयोगी बनना चाहिए। पूर्व सांसद इज्यराज सिंह ने सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि युवाओं को किसी भी परिस्थिति में अपने लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए। निरंतर परिश्रम और दृढ़ निश्चय से कार्य करने वाले को सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने महाराव उम्मेद सिंह द्वितीय की विरासत को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। स्वामी बालमुकुंद आचार्य ने कोटा के गौरवशाली इतिहास पर चर्चा करते हुए क्षत्रिय धर्म के महत्व को रेखांकित किया। लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में हाड़ौती क्षत्रिय शिक्षा प्रचारिणी समिति के अध्यक्ष शिवराज सिंह राठौड़, महासचिव ठाकुर वीरेन्द्र सिंह शक्तावत, पूर्व आईएएस अमर सिंह, समिति के अन्य सदस्यों सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

राजकोट में 50वां वार्षिक विद्या सत्कार समारंभ समारोह संपन्न

श्री चन्द्र सिंह भाड़वा स्टडी सर्किल, राजकोट के स्वर्ण जयंती वर्ष के तहत 50वां वार्षिक विद्या सत्कार समारंभ समारोह 15 सितंबर को राजकोट स्थित हेमू गढ़वी हॉल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम को सांसद व मैसूर महाराजा यदुवीर कृष्णदत्ता चामराज वाडियार, जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक रघुराज प्रताप सिंह एवं राजकोट महाराजा मांधाता सिंह जाड़ेजा आदि वक्ताओं ने संबोधित किया एवं कहा कि वर्तमान युग में शिक्षा ही सबसे बड़ा शस्त्र है। इसलिए समाज को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी सामाजिक संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। इन संस्थाओं का हर प्रकार से सहयोग करना हम सभी का कर्तव्य है। गुजरात के पूर्व कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चूड़ासमा, विधायक प्रद्युम्न सिंह जाडेजा, विधायक वीरेंद्र सिंह जाडेजा, विधायक धर्मेंद्र सिंह जाडेजा, उद्योगपति मयूर्ध्वज सिंह जाडेजा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

प्रयागराज में हुआ प्रबुद्ध क्षत्रिय सम्मेलन का आयोजन

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा प्रयागराज मंडल के तत्वावधान में प्रयागराज स्थित जिला पंचायत सभागार में 15 सितंबर को प्रबुद्ध क्षत्रिय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद हरवंश सिंह ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सक्षम बनाने का हमें प्रयास करना होगा, यही सच्ची समाज सेवा होगी। महासभा के राष्ट्रीय महासचिव राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा कि समाज के जनजागरण के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास हो रहे हैं और परिणाम स्वरूप समाज जाग भी रहा है। जागरण की इस प्रक्रिया को हमें निरंतर जारी रखना है। पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि क्षत्रिय समाज को प्रभु श्रीराम जैसे अपने पूर्वजों से सीख लेते हुए सभी को साथ लेकर चलना होगा। सम्मेलन में डॉ. वीके सिंह, कृष्णन सिंह, कुंवर शशांक सिंह, उपेंद्र सिंह, मृगांक शेखर सिंह, डॉ. अलका सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अजय सिंह व प्रण विजय सिंह ने किया। सम्मेलन में सुखवीर सिंह, सुरेश प्रताप सिंह, शिव शंकर सिंह, कमलेश प्रताप सिंह, गोरखनाथ सिंह, इंद्र बहादुर सिंह, राजकुमार सिंह, संजय सिंह फौजी, रवि किरण सिंह, राणा यशवंत सिंह, राजेश सिंह, डॉ. अनिल सिंह भदौरिया सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु मौजूद रहे।

अहमदाबाद में हुई श्री क्षत्रिय एकता मंच की स्थापना

अहमदाबाद के गोता स्थित राजपूत समाज भवन में राजपूत समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं गुजरात के विभिन्न राज परिवारों के सदस्यों द्वारा 20 सितंबर को एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पूरे गुजरात में राजपूत समाज के हित में सामूहिक रूप से कार्य करने हेतु एक एकीकृत संस्था श्री क्षत्रिय एकता मंच के नाम से स्थापित की गई। भावनगर के विजयराज सिंह गोहिल को संस्था का प्रथम अध्यक्ष चुना गया। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

डगलां का खेड़ा में विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन

चित्तौड़गढ़ प्रांत में अरिहंत नगर, डगलां का खेड़ा में स्थित जेठू सिंह झालरा के आवास पर 22 सितंबर को विशेष शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय समाज बंधु मातृशक्ति सहित सम्मिलित हुए। जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान अक्टूबर माह में क्षेत्र में आयोजित होने वाले बाल शिविर एवं प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के संबंध में भी चर्चा की गई।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org